ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१६
दिनांक- शुक्रवार,२६ फरवरी, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.8 एवं 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 58 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 28.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27 फरवरी –03 मार्च, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 27 फरवरी –03 मार्च, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान एवं न्यूनतम तापमान में २–४ डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी हो सकती है जिसके चलते अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्त्रोत से सुनिष्चित कर लें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेषन करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 15–20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1 एवं 2 किस्में अनुषंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- सूर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। विगत वर्षा से आई खेतों में नमी का लाभ उठाते इसकी बुआई करें। बुआई से पुर्व 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बीज दर संकर किस्म के लिए 5 किलोग्राम तथा संकुल किस्म के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय सल्फरयुक्त उर्वरक ज्यादा उपयुक्त है। अतः 30 से 40 ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर प्रयोग करें।
- इस मौसम में प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का आक्रमण हो सकता है । बचाव के लिए मौसम साफ रहने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेषन करें।
- ठण्ड का मौसम समाप्त होने से गायों एवं बछियों की गर्मी (मद) में आने का समय है। उनके सफल गर्भाधान के लिए पर्याप्त हरा चारा सहित संतुलित आहार एवं ५० ग्राम मिनिरल मिक्सचर प्रतिदिन दें। खुरपका– मुहपका रोग का टीका लगवाएं। जिन पशुओं को जुलाई – अगस्त में टीका लगा है उन्हें भी पुनः टीका लगवाएं। टीका लगवाने से पूर्व अतः एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा अवश्व पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 16.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी